हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज - गुजरात प्रदेश संगठन

# संघर्ष से सफलता का शंखनाद

SUNDAY, 03 JANUARY, 2023 | EDITOR - PANKAJ SHARMA, JOURNALIST

## सरकारी पद पर बडी जिम्मेदारी के बावजूद समाज उत्थान के लिए पूरे जोश से काम करते विजापुर के हरीश पंडित

आजकल सरकारी नौकरी पाने की चाहत कौन नही रखता होगा? । सरकारी पद पर अपने आपको योग्य बनाने के लिए रात-दिन कडी महेनत करनी पडती है और लक्ष्य को हांसल करने के लिए एक लेवल की जंग लडनी होती है। लेकिन संघर्ष के बाद सरकार में पद मिल जाय उसके बाद समाज के लिए भी कुछ सोचते है तो यह सोने पे सुहागा बन जाता है। महेसाणा जिले के विसनगर तहसील में एसडीएम ओफिस में नायब तहसीलदार के पद पर कार्यरत हरीश पंडित हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज में जाना पहचाना नाम बन गया है। हरीश पंडित समाज के युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत और रोल मॉडल बनकर उभरे हैं।

समाज के लिए एक समय था जब एक युवा बड़े होने पर अपने पिता के व्यवसाय में शामिल हो जाता था..ट्यूशन कम था..और सरकारी परीक्षाओं पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जाता था..लेकिन अब वह समय बदल गया है..हरीश पंडित ने यह साबित कर दिया। अर्थात यदि आपने युवावस्था में ही समय का सदुपयोग कर ज्ञान प्राप्त कर लिया है तो आगे चलकर मेहनत का फल मिलेगा । सिर्फ सरकारी नौकरी ही क्यों किसी भी नौकरी के लिए मेहनत और किस्मत दोनों जरूरी हैं लेकिन मेहनत करने वालों की ही किस्मत में सफलता लिखी होती है अतः जो मेहनत करेंगे उनकी ही किस्मत चमकेगी।

## गुजरात प्रदेश के समाजबंधुओ के लिए मतदाता सूची और जनगणना का अभियान चला रहे है नायब तहसीलदार हरीश पंडित

संघर्ष से सफलता का शंखनाद के आर्टिकल के एडिटर पंकज शर्मा के साथ बातचीत करते हुए हरीश पंडितने बताया कि में हंमेशा समाज के बारे में सोचता आया हूं, सोचता रहूंगा। हरिशजीने बताया कि सरकारी नौकरी की वजह से मेरा सामाजिक प्रसंगो मे आनाजाना कम रहा इस लिए लोगो मे मेरी जानकारी कम रही है ।

सरकारी नौकरी मे ज्यादा वक्त तक मैंने ग्राम पंचायत,तालुका पंचायत, विधानसभा,लोकसभा के चुनावो मे अपना फर्ज निभाई है, विजापुर तहसील की ग्राम पंचायत,तालुका पंचायत, विधानसभा,लोकसभा की फोटो वाली मतदाता सूची बनाने मे भी मेरा फर्ज निभाया है । इस लिए अपने समाज की मतदाता सूची बनाना , समाज की जनगणना करने मे मै अपना योगदान , अनुभव देना चाहता हु ।

मै चाहता हूं की अपने समाज में फोटोवाली मतदाता सूची बने , फोटो वाली जनगणना सूची बने ,जिसका उपयोग लोकतांत्रिक तरीके से समाज के पदाधिकारियों के चयन हेतु किया जाय

# समाजजनो से अनुरोध है की समाज की जनगणना के महत्व को समझते हुए , इसमे अपना साथ सहकार दे, समाज का कोई भी परिवार इस जनगणना से छुट ना जाये - हरीश पंडीत

इस डेटा का समाज हित में व्यापक उपयोग हो, समाज के हर घर घर मे इस एक्सल शीट डेटा को में भेजूँगा । अपने समाज मे बड़े लंबे समय तक केवल और केवल सामूहिक विवाह के अलावा और कोई कार्य नहीं हुए । सामूहिक विवाह के अलावा भी और बहुत से कार्य है जिनकी और हमे देखना होगा । और सबसे बड़ी बात हमे आम समाजजन की आवाज सुननी होगी, उन्हे समझना होगा.

हमारा लक्ष्य समाज के उन परिवारों की तरफ होना चाहिए जो दूर दराज गावों मे बसे है , जो गरीबी रेखा से ऊपर लेकिन मध्यम परिवार से नीचे की गिनती मे आते हो ,उनकी तकलीफ़ों की तरफ हमारा ध्यान अब तक नहीं गया है , मै जो जनगणना शीट बना रहा हु उसमे यह बात अवश्य फिल्टर करूंगा

गुजरात समाज के अध्यक्षजी से मेरा अनुरोध है की गावों मे बसे परिवारों की और ध्यान दे , उन परिवारों से हर तीन या चार महीने मे मेल मिलाप का कोई आयोजन हो । सरकारी नौकरी मे हमारे (रेवन्यू फील्ड , शिक्षा फील्ड , पुलिस फील्ड )का अनुभव का लाभ आम समाजजन को मिले यही हम समाज के सरकारी नौकरी वालो का प्रयास रहेगा

## हरीश पंडित वर्ष 2002 से गुजरात सरकार में नायब तहसीलदार पर हुए नियुक्त

हरीशजी के पिताजी का नाम स्व.श्री रमणलालजी पंडित, माताजी का नाम स्व.अन्नपूर्णा है । जन्म 12/08/1969 को अहमदाबाद में हुआ ..उन्होने वकालत की पढ़ाई अहमदाबाद की सर एल ए शाह लॉ कॉलेज से की और 1994 से 2002 तक वकालत अहमदाबाद मे की । 09/09/2002 से गुजरात सरकार की नौकरी में महेसाणा जिले के विजापुर तहसील मे तहसीलदार ऑफिस मे नौकरी जाइंट की । फिलहाल हरीश पंडित विसनगर एस.डी.एम ओफीस मे नायब तहसीलदार के पद पर कार्यरत है। उनका विवाह गांधीनगर जिले के पेथापुर निवासी श्रीमान देवकीनंदंजी अमरचंदजी के चाचाजी स्व.धनिरामजी की सुपुत्री प्रेमल के साथ 7.12.2000 के रोज हुआ ।

## समाज के आर्थिक तौर पर पछात परिवार और उनके बच्चो की शादी के लिए भी हमे सोचना चाहिए - हरीश पंडीत

हरीशजी बताते है कि मेरे जीवन का सपना था की मेरा विवाह बेहद कम पढ़ी लिखी,गरीब परिवार की लड़की से हो,किसी भी प्रकार के तामझाम , बिना बैंड बाजा के हो, बिना किसी दहेज के हो,यह मेरा सपना चरितार्थ हुआ है, मै और मेरी धर्म पत्नी प्रेमल बेहद खुश-खुशहाल जीवन बिता रहे है, मेरे दो राम-लखन से पुत्र है ,बड़े सुपुत्र का नाम "हारीत" है और छोटे सुपुत्र का नाम "पिनाक" है। मेरे दोनों सुपुत्रो का ब्याह भी समाज के गरीब परिवार मे ही करने का मन बनाया है । क्यूकी मैं मानता हूं की लोगो को धनी परिवार की , खूब ऊंची पढ़ाई की हुई लड़की अपने पुत्र के लिए चाहिए , बैंड बाजा ,बारात ,खाने पीने में खूब लंबा चौड़ा खर्चा करना, शानौ शौकत के अनुसार खर्च करना चाहते है , यह उनकी सोच है ,(धनपति अरबपति परिवार के लिए यह करना जरूरी भी होता है इस लिए वे अपनी जगह सही भी हो सकते है ) लेकिन समाज में यदि सभी इसी प्रकार की सोच रखेंगे तो गरीब परिवार के लड़को , लड़कियो का क्या होगा ??? कौन गरीब परिवारों की तरफ देखेगा ??? इस लिए मै अपनी जगह अपने आप को सही मानता हू।

## सरकारी नौकरी पाने के लिए क्या करे युवावर्ग?

- सरकारी नौकरी पाने के लिए सबसे जरूरी है धैर्य। चूंकि सरकारी नौकरी लगने में काफी समय लग जाता है इसलिए परीक्षा की तैयारी आपको धैर्य के साथ करनी होगी।
- सरकारी नौकरी जरूरी नहीं कि पहली बार में ही लग जाए इसलिए कोशिश करना न छोड़ें। आपको परीक्षा में असफल होने के लिए भी तैयार रहना होगा। अगर आप अपनी असफलता से सीख लेते हैं और दोबारा उत्साह के साथ तैयारी करते हैं तो यकीन मानिए आपसे सरकारी नौकरी कोई नहीं छीन सकता।
- आपने भले ही काफी कुछ सीख लिया हो, काफी अच्छी शिक्षा ली हो और कई बार परीक्षाएं दी हों लेकिन अगर आप में आत्मविश्वास नहीं, तो यह सब बेकार साबित हो सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि अपने अंदर आत्मविश्वास बनाए रखें।
- सरकारी नौकरी पाना आसान नहीं होता। इसके लिए सालों की कड़ी मेहनत की जरूरत होती है। तब जाकर कहीं आप जीवन में एक मुकाम हासिल कर पाते हैं। इसलिए याद रखें सरकारी नौकरी का कोई शॉर्टकट नहीं होता। आपकी कड़ी मेहनत ही आपकी सफलता की सीढ़ी है।
- प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने के लिए करंट अफेयर्स से अपडेट रहना सबसे ज्यादा जरूरी है। आपके आस पास क्या घट रहा है इसकी पूरी और सही जानकारी आपके पास होनी चाहिए जो कहीं न कहीं आगे आपको नौकरी दिलाने में मददगार साबित हो सकती है।

## हरीश पंडित-नायब तहसीलदार,विसनगर, जि.महेसाणा

में रोजाना ऑफिस से शाम को घर आकर  समाज की जनगणना की डेटा एंट्री शाम 7.30 से रात 11.30 तक करता हूं ।  समाज की धर्मशाला , कोम्युनिति हॉल के लिए पसंद की जाने वाली जमीन का रिकॉर्ड एक बार चेक करने का मौका मौजे अवश्य दे , क्यूकी अगर गलती से भी बिना टाइटल क्लियर वाली जमीन पसंद कर ली तो समाज को बहुत बड़ा नुकशान हो शकता है , गुजरात की सारी जमीन का डेटा अब ऑन लाइन हो चुका है अत: मै विजापुर मे बैठे बैठे समाज की संभावित जमीन का रिकॉर्ड चेक कर दूंगा । सब मिलकर एक साथ चलो , सही दिशामे एक साथ कदम बढ़े , तभी समाज विकास पथ पर अग्रेसर रहेगा । पूर्व मे वर्ष 2003 मे समाज की जनगणना का कार्य हुआ था तब करीब ढाई से तीन हजार की जनसंख्या हमारे समाज की थी , प्रति वर्ष 2.5 परसेंट का जनसंख्या वृद्धि दर माना गया है , इस हिसाब से इस जनगणना मे हमारे समाज की जनसंख्या कम से कम 4 से 5 हजार होनी चाहिए , अगर कम होती है तो यह हमारे समाज के लिए चिंता  और चिंतन का विषय होना चाहिए ।